लोकसभा अध्यक्ष ने आज मॉनसून सत्र के पहले दिन माननीय सदस्यों को संसद की कार्यवाही में उत्साह से भाग लेने के लिए बधाई दी।

…

“उत्पादकता के मामले में भी आज का दिन ऐतिहासिक रहा।”: लोकसभा अध्यक्ष

…

“सभी सांसदों कि जिम्मेदारी है कि वे देश की जनता के प्रति जवाबदेह रहें तथा जनता की अपेक्षा, एवं आकांक्षाओं को सदन के माध्यम से सरकार तक पहुंचाएं।”: लोकसभा अध्यक्ष

…

नई दिल्ली 14 सितंबर 2020: लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज मॉनसून सत्र के पहले दिन कोरोना महामारी के चलते लिए गए निर्णयों का उल्लेख किया। कोरोना काल में उन्होंने माननीय सदस्यों को संसद की कार्यवाही में उत्साह से भाग लेने के लिए बधाई दी। श्री बिरला ने कहा कि यह हमारे लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती को प्रस्तुत करता है एवं हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों की अभिवृद्धि करता है।

श्री बिरला ने आगे कहा कि इस बार कोरोना महामारी के चलते सदन विपरीत परिस्थितियों में हो रहा है। उन्होंने कहा, "माननीय सदस्यों को सामाजिक दूरी के नियमों के चलते, दर्शक दीर्घा में, राज्यसभा में बैठना पड़ा। लेकिन उसके बावजूद भी 359 माननीय सदस्य सदन में उपस्थित रहे, सकारात्मक चर्चा हुई, आठ विधेयक इंट्रोड्यूस किए गए और दो विधेयक पारित किए गए।"

उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि उत्पादकता के मामले में भी आज का दिन ऐतिहासिक रहा। सभी सदस्यों को देश के समक्ष अपनी बात रखने के पर्याप्त समय और अवसर दिया गया। सदस्यों ने व्यवस्थित तरीके से अपनी बात रखी। परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए सदस्यों ने उपलब्ध समय का सर्वश्रेष्ठ उपयोग किया।

श्री बिरला ने हाल ही में दिवंगत हुए पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न माननीय श्री प्रणब मुखर्जी का उल्लेख करते हुए कहा कि संसद ने उन्हें आज भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके विचारों को, उनके कार्यों को, और उनके बताए मार्ग को संसद के माध्यम से देश की जनता को एक सकारात्मक दिशा देने का काम किया।

श्री बिरला ने आशा व्यक्त की कि इस सत्र में, सदन के सभी माननीय सदस्यों का, सदन के नेता माननीय प्रधानमंत्री जी का, सभी दलों के नेताओं का, एवं सभी माननीय मंत्रिमंडल के सदस्यों का सकारात्मक सहयोग मिलेगा।

श्री बिरला ने आगे कहा कि सभी सांसदों कि जिम्मेदारी है कि वे देश की जनता के प्रति जवाबदेह रहें तथा जनता की अपेक्षा, एवं आकांक्षाओं को सदन के माध्यम से सरकार तक पहुंचाएं।